**4 अगस्त, 2022**

**प्रशिक्षु IFS अधिकारियों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम हेतु माननीय स्पीकर महोदय के लिए सम्बोधन**

---

भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारीगण;

रॉयलभूटानफॉरेन सर्विस के राजनयिकगण; और

सुषमा स्वराज इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन सर्विस के अधिकारीगण...

आप सभी का अभिवादन....

---

- आज संसद परिसर में प्राइड द्वारा भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों और भूटान के राजनयिकों के लिए आयोजित किए जा रहे संसदीय पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं संबंधी इस परिबोधन कार्यक्रम में आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

- आप प्रतिष्ठित भारतीय विदेश सेवा और भूटान फ़ॉरेन सर्विस का हिस्सा बने हो। इसके लिए मैं आपको अनेक बधाई देता हूँ। मैं आपको उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

- रॉयल भूटान फ़ॉरेन सर्विस के प्रतिष्ठित राजनयिकों से कहना चाहता हूँ कि हमें भारत-भूटान के मैत्रीपूर्ण संबंधों पर गर्व है।

- मुझे आशा है कि इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय प्रतिभागियों के साथ संपर्क में आने से हमारे प्राचीन और ऐतिहासिक रूप से मैत्रीपूर्ण संबंध और अधिक मजबूत होंगे।

- साथियों, भारतीय विदेश सेवा का करियर बहुत ही आकर्षक और उत्कृष्ट होता है। यहाँ आपके पास देश के लिए बेहतर करने की अनेक संभावनाएं हैं। यह सेवा आपके पास राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है।

- लेकिन इसी के साथ आपकी भूमिका चुनौतीपूर्ण भी है। आपसे आशा की जाती है कि अपने आचरण और व्यवहार से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आप भारत की ख्याति को बढ़ाएं। इसके लिए आपसे विशेष कौशल और सदैव तत्पर रहने की अपेक्षा की जाती है।

- आज वैश्विक परिस्थितियां हमारे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण हैं। हमारी समृद्धि और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए वैश्विक एवं क्षेत्रीय शांति को बनाए रखना आज की सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में आपके ऊपर विशेष जिम्मेदारी है कि आप राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी संभव प्रयास करें।

- अपनी स्थापना के बाद से ही भारतीय विदेश सेवा ने अपने दायित्वों को बहुत ही पेशेवर तरीके से निभाया है। आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का जो स्थान है, विदेशों में भारत को जो मान-सम्मान मिलता है, उसमें हमारे देश के राजनेताओं की जितनी भूमिका है, उतनी ही भूमिका भारत के राजनयिकों की भी है।

- प्रिय साथियों, अभी आप प्रशिक्षु हैं। कल जब आप अपना प्रशिक्षण पूरा करेंगे, जब आपको पोस्टिंग दी जाएगी, तब एक जिम्मेदार अधिकारी के नाते विश्व स्तर पर भारत की साख बढ़ाना आपका कर्तव्य होगा। अन्य देशों के साथ भारत के परंपरागत रिश्तों में नए प्राण भरना, हमारे राजनैतिक, आर्थिक एवं सामरिक संबंधों को मजबूती देना तथा विदेश में रहने वाले भारतीयों तक पहुँच आसान बनाने और उनकी मदद के लिए आपको काम करना होगा।

- विदेश सेवा के प्रशिक्षण संस्थान को भारत की पूर्व विदेश मंत्री और उत्कृष्ट नेत्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज जी का नाम दिया गया है। सुषमा जी के कार्यकाल में हमने देखा, जब भारत के विदेश मंत्रालय ने हर आम भारतीय के मन में स्थान बनाया था। ट्विटर पर या कहीं से भी एक मदद की अपील मिलती, तो सुषमा जी उनकी सहायता करती थी।

- विदेश में रहने वाले भारतीयों की मदद करने की दिशा में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने हमेशा ही अपना कर्तव्य निभाया है। कोरोना काल में विदेशों में फँसे भारतीय नागरिकों को 'वंदे भारत मिशन' के माध्यम से स्वदेश वापस लाने का अभियान हो या 'ऑपरेशन गंगा' चलाकर यूक्रेन से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी.... भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने सदा ही सर्वोच्च निष्ठा एवं कर्तव्यशीलता का परिचय दिया है।

- युवा साथियों, अभी आपकी ट्रेनिंग का समय चल रहा है। ट्रेनिंग के इस समय में आपको खुद को फोकस रखना है। ट्रेनिंग में जो सिखाया जा रहा है। कैसे अंतर्राष्ट्रीय नीतियाँ बनती हैं! वैश्विक संबंधों में किन-किन विषयों को, किन कारकों का ध्यान रखा जाता है। ये सब आप जितनी अच्छी तरह समझोगे, आप उतने अच्छे विदेश सेवा अधिकारी साबित होंगे। इसलिए इस समय आपको पूरी एकाग्रता के साथ अपना प्रशिक्षण करना है।

- राजनयिकों को हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। नेशन फर्स्ट की नीति के साथ ही उन्हें अपना हर क़दम बढ़ाना चाहिए। अन्य देशों के लिए हमारे देश की नीति कैसी है, क्या रणनीति है; इसका ध्यान राजनयिकों को विशेष तौर पर रखना चाहिए।

- आपके अंदर सांस्कृतिक संवेदनशीलता का भाव भी होना चाहिए। विदेश सेवा अधिकारी के रूप में आपकी पोस्टिंग जिस भी देश में हो, आप उस देश के बारे में अधिक से अधिक जानें। उस देश के कल्चर, उनके जीवन, रहन-सहन को जानकर काम करें, उस देश की जन भावनाओं के लिए आपके मन में सम्मान होना चाहिए। एक समर्थ, सक्षम अधिकारी बनने के लिए यह गुण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है।

- वर्तमान विश्व में एक देश का दूसरे देश के ऊपर केवल हथियारों का ही प्रभाव नहीं होता। किसी भी देश की साख कितनी है, उसकी प्रतिष्ठा कैसी है; इसका आँकलन आज कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। भारत आज दुनिया में प्रमुख शक्ति के रूप में उभर रहा है। इसमें हमारी सॉफ्ट पावर की बड़ी भूमिका है।

- फ़िल्म, लिटरेचर, कल्चर, आर्ट, डांस, योगा, मेडिटेशन और दूसरे देशों की सहायता करने की हमारी प्रवृत्ति से भारत आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छाया हुआ है। हमारी संस्कृति समृद्ध है, प्राचीन है। भारत की कला, अध्यात्म आज दुनियाभर में सांस्कृतिक विरासत की तरह है। इनका कोई जोड़ नहीं। भारत से उदय हुआ बौद्ध धर्म आज दुनिया के कई देशों में फैला है। यह हमारा अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव है।

- अभी कुछ महीनों पहले जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की स्थिति बनीथी, तब यूक्रेन में जो हजारों स्टूडेंट्स हमारे फँसे थे, भारत सरकार 'ऑपरेशन गंगा अभियान' चलाकर उनको सुरक्षित वापस देश में लेकर आई थी। यह आपके समर्पित प्रयासों से ही संभव हो सका।

- यूक्रेन में फँसे स्टूडेंट्स को जब भारत सरकार वापस लाई, तो उनमें से कुछ स्टूडेंट्स ने बताया कि हमने तिरंगे की ताकत वहाँ देखी। स्टूडेंट्स जिधर फँसे थे, उन्हें जिन बसों में बैठाकर एयरपोर्ट तक ले जाया गया। उन बसों पर भारत का झंडा लगाया गया था। बसों पर तिरंगा देखकर किसी ने चेकिंग के लिए नहीं रोका।

- वहाँ तिरंगा भारतीयों की ढाल बना। हमारे छात्रों का ये अनुभव बताता है कि दुनिया भारत को विशेष सम्मान की नज़रों से देखती है। दुनिया हम पर भरोसा करती है।

- दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि भारत ने दुनिया को सदैव शांति, अहिंसा और सह अस्तित्व का संदेश दिया है। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा स्थापित करने की बात हमारे संविधान के नीति निदेशक तत्वों में भी कही गई है। अन्य राष्ट्रों के साथ न्यायपूर्ण और सम्मानजनक संबंध बनाए रखने का सिद्धांत हमारा संवैधानिक सिद्धांत है। दुनिया हम पर भरोसा करती है क्योंकि हमने मुश्किल के समय में दुनिया के देशों की सहायता कर ये भरोसा कमाया है।

- आपने देखा होगा कि किस प्रकार हमने कोरोना की वैश्विक महामारी के समय में दुनिया के 150 से अधिक देशों की मदद कर मानवता को कोविड से लड़ने की नई हिम्मत दी थी। हमारे देश

ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया और अपने साथ ही दुनिया के ज़रूरतमन्द देशों की भी आगे बढ़कर सहायता की है।

- कोविड के बाद के बदलते दौर में भी भारत ने दुनिया को नई आशा दी है। यही वजह है कि आज जी-20 से लेकर ब्रिक्स तक, QUAD से लेकर शंघाई सहयोग संगठन तक और आसियान से लेकर ईस्टर्न इकोनोमिक फोरम और कॉप-26 तक……सभी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की गूंज सुनाई दे रही है। आज हमारा देश वैश्विक मुद्दों पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

- प्रिय साथियों, पिछले इन वर्षों में मेरा अपना कई विदेश यात्राओं का अनुभव रहा है। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमण्डल के साथ मैंने कई देशों की यात्रा की है। इस दौरान मैंने जो देखा वो यह कि जिन राष्ट्रों में हम गए, चाहे यूरोप हो या एशिया हो; उन राष्ट्रों के राष्ट्राध्यक्षों ने, वहाँ के प्रमुख नेताओं ने आगे बढ़कर भारत के साथ मजबूत संबंधों की बात की है। उन्होंने हमसे हमारे लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं के बारे में सीखना चाहा है। भारत की व्यवस्था से, भारत के गणतंत्र से दुनिया बहुत प्रभावित है।

- मित्रों, आज दुनिया भारत से सीखती है। भारत का लोकतंत्र, भारत की संस्कृति, भारत का ज्ञान विज्ञान, योग परंपरा, अध्यात्म, आज दुनिया का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भारत आज अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का नेतृत्व कर रहा है। सोलर एनर्जी के क्षेत्र में भारत दुनिया को दिशा दे रहा है।

- साथियों, कोई भारतीय दुनिया में कहीं भी रहे, उसकी भारतीयता, और राष्ट्र के प्रति निष्ठा में लेश मात्र भी कमी नहीं आती। इसलिए दुनिया में बसा हर भारतीय एक 'राष्ट्रदूत' की तरह होता है।

- आप युवा साथियों के ऊपर बड़ी ज़िम्मेदारी है। आप जब संस्थान से अपना प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतिष्ठित भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी के रूप में पदस्थापित होंगे तब दुनिया में भारत की

साख, भारत की प्रतिष्ठा आपके आचरण और कार्य व्यवहार से निर्धारित होगी। आपको ज़िम्मेदारी से साथ वह भूमिका निभानी है।

- मैं आशा करता हूँ कि संसदीय प्रबोधन कार्यक्रम आपके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। आप अपने कार्यक्रम में संसदीय प्रक्रियाओं, परंपराओं एवं नियमों के बारे में अवगत होंगे, संसदीय लोकतंत्र के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत होंगे जो आगे चलकर निश्चय ही आपके लिए लाभकारी होगा।

- आप हर परिस्थिति में प्रभावशाली तरीके से भारत का प्रतिनिधित्व करने का हर संभव प्रयास करेंगे और इसके लिए हमारे लोकतंत्र के व्यापक मानक सिद्धांतों का अनुपालन करेंगे।

- आपको मेरी ओर से आपके भावी जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

  धन्यवाद, जय हिन्द।